

अर्गल पुं. (तत्.) 1. लकड़ी का वह डंडा जिसे किवाड़ को खुलने से रोकने के लिए लगाया जाता है, आगल 2. रोक, अवरोध।

अर्गला स्त्री. (तत्.) 1. अर्गल 2. अवरोध, रुकावट 3. हाथी के पैर में बांधी जाने वाली जंजीर।

अर्गलिका स्त्री. (तत्.) छोटे आकार की अर्गला, अगड़ी, अगरी, ब्यैड़ा, सिटकनी, किल्ली।

अर्गलित वि. (तत्.) 1. सिटकनी या अर्गला से बंद किया हुआ 2. अवरुद्ध 3. सिटकनी लगाकर रोका हुआ।

अर्घ पुं. (तत्.) 1. कीमत, मूल्य 2. दूध, दही, दूब, तंडुल आदि मिले जल से देवता या पूज्य व्यक्ति का अभिषेक, जलदान 3. अतिथि को हाथ धोने के लिए दिया गया जल 4. पूजन हेतु प्रयुक्त दूध आदि से मिश्रित जल 5. किसी वस्तु का महत्व।

अर्घट पुं. (तत्.) भस्म, राख।

अर्घपात्र पुं. (तत्.) अर्घ्य देने का जलपात्र। अर्घा।

अर्घा स्त्री. (तत्.) 1. 20 मोतियों का वह लच्छा जिसकी तौल 4 माशे हो 2. पुं. तांबे या किसी धातु का शंख के आकार का पात्र जिससे अर्घ संपन्न किया जाता है, अर्घपात्र।

अर्घापचय पुं. (तत्.) मूल्य गिरना, अवमूल्यन, मूल्य हास।

अर्घाह वि. (तत्.) अर्घ देनेयोग्य, पूजनीय, आदरणीय।

अर्घेश्वर पुं. (तत्.) अर्घाश, शिव, महादेव।

अर्घ्य वि. (तत्.) 1. बहुमूल्य 2. पूजनीय, भेंट देने योग्य पुं. किसी देवता या सम्मानित व्यक्ति को सम्मानपूर्वक भेंट करने योग्य वस्तु।

अर्घ्यदान पुं. (तत्.) देवी, देवता को इष्ट प्राप्ति के निमित्त जल का अर्घ देना।

अर्घक वि. (तत्.) अर्चना या पूजा करनेवाला, पूजक, पुजारी।

अर्चन पुं. (तत्.) 1. पूजा, अर्चना 2. आदर, सम्मान।

अर्चना स्त्री. (तत्.) वंदना, पूजा, पूजन।

अर्चनीय वि. (तत्.) पूजा करने योग्य, पूजनीय।

अर्चा स्त्री. (तत्.) 1. अर्चना, पूजा 2. वह प्रतिमा जिसकी पूजा की जाती है।

अर्चि स्त्री. (तत्.) 1. अग्निशिखा, लपट, लौ 2. प्रकाश, चमक 3. किरण, रश्मि।

अर्चित वि. (तत्.) 1. जिसकी अर्चना की गई हो, पूजित 2. सम्मानित पुं. विष्णु।

अर्चिती वि. (तत्.) पूजा-अर्चना करने वाला।

अर्चिमान् वि. (तत्.) 1. तेजस्वी पुं. सूर्य 2. अग्नि 4. विष्णु।

अर्चिष्मान वि. (तत्.) प्रकाशमान, चमकवाला 2. लपटवाला पुं. 1. अग्नि 2. सूर्य 3. विष्णु।

अर्च्य वि. (तत्.) अर्चना करने योग्य, अर्चनीय।

अर्ज पुं. (अ.) 1. चौड़ाई (कपड़े की), पनहा, पना 2. विनती, प्रार्थना।

अर्जक वि. (तत्.) कमाने वाला, उपार्जन करनेवाला, (धन)प्राप्त करनेवाला पुं. वनतुलसी।

अर्जन पुं. (तत्.) 1. कमाई, उपार्जन 2. कमाने या संग्रह करने की क्रिया या भाव 3. संग्रह स्त्री. (तत्.) 1. अनिरुद्ध की पत्नी 2. सफेद गाय।

अर्जनशील वि. (तत्.) जो अर्जन करने में लगा हो।

अर्जनशील समाज पुं. (तत्.) वह समाज जिसमें प्रत्येक परिवार अर्जन करने में लगा हो और जहाँ अर्जन ही प्रगति का चिह्न माना जाता है।

अर्जनीय वि. (तत्.) 1. संग्रह के योग्य 2. ग्रहण करने योग्य, प्राप्त करने योग्य।

अर्जित वि. (तत्.) 1. संग्रह किया हुआ, संगृहीत 2. प्राप्त किया हुआ, कमाया हुआ।